Ministry of Culture
Government of India

आज़ादी का अमृत महोत्सव

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र
INDIRA GANDHI NATIONAL CENTRE FOR THE ARTS

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र

कलानिधि विभाग

आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी स्मारक व्याख्यान
में आपको सादर आमन्त्रित करता है

दिनांक : 20 अगस्त (शनिवार), 2022, समय : सायं 5:00 बजे

स्थान : समवेत ऑडिटोरियम, आई. जी. एन. सी. ए.
जनपथ बिल्डिंग (वेस्टर्न कोर्ट के पास), जनपथ, नई दिल्ली

विषय : आत्मनिर्भर भारत

वक्ता

श्री के॰ एन॰ गोविन्दाचार्य
सुप्रसिद्ध विचारक

अध्यक्षता

श्री रामबहादुर राय
अध्यक्ष
इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र न्यास

आधार वक्तव्य

डॉ. सच्चिदानंद जोशी
सदस्य सचिव
इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र

परिचय

प्रो. रमेश चन्द्र गौड़
विभागाध्यक्ष, कलानिधि
इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र

आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

(19 अगस्त सन् 1907- 19 मई 1979)

आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी हिन्दी निबन्धकार, आलोचक और उपन्यासकार थे। सन् 1929 में संस्कृत साहित्य में शास्त्री और सन् 1930 में ज्योतिष शास्त्र विषय में उपाधि प्राप्त की। 8 नवंबर 1930 को हिंदी शिक्षक के रूप में शांतिनिकेतन में कार्यारम्भ किया। आचार्य जी की संचालक, हिंदी भवन, विश्वभारती (सन् 1945 -1950) के पद पर तथा सन् 1957 में काशी हिन्दु विश्वविद्यालय में प्रोफेसर के पद पर नियुक्ति हुई। वे सन् 1957 में 'पद्मभूषण' उपाधि से सम्मानित हुए। सन् 1960 - 67 के दौरान पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ में हिंदी के प्रोफेसर तथा विभागाध्यक्ष रहे। 1967 के बाद पुनः काशी हिन्दु विश्वविद्यालय में कुछ समय तक निदेशक के पद पर भी रहे। द्विवेदी जी हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत और बंगला भाषाओं के विद्वान थे। भक्तिकालीन साहित्य का उन्हें अच्छा ज्ञान था। उनकी लिखी दर्जनों से अधिक पुस्तकें प्रकाशित हुई हैं, जिनमें से **कबीर, नाथ संप्रदाय, हिन्दी साहित्य का आदिकाल, मेघदूत: एक पुरानी कहानी, हिन्दी साहित्य का उद्भव और विकास, अशोक के फूल, आलोक पर्व (साहित्य अकादमी पुरस्कार), बाणभट्ट की आत्मकथा, अनामदास का पोथा, संक्षिप्त पृथ्वीराज रासो** आदि प्रमुख रचनाएँ हैं।

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र के संदर्भ पुस्तकालय ने वर्षों से प्रख्यात विद्वानों तथा कलाकारों के निजी पुस्तकालय को उपहार स्वरूप अंगीकार किया हैं। जो कला एवं सम्बन्धित अध्ययन के क्षेत्र में एक विशेष महत्त्व रखता है। प्रो. सुनीति कुमार चटर्जी, ठाकुर जयदेव सिंह, डॉ. कपिला वात्स्यायन, श्री देवेंद्र स्वरूप, प्रो. नामवर सिंह एवं श्री श्याम बेनेगल इनमें से कुछ प्रमुख निजी संग्रह हैं। इसी श्रृंखला के अन्तर्गत आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी जी के ज्येष्ठ पुत्र श्री मुकुन्द द्विवेदी ने आचार्य जी का 13,000 व्यक्तिगत पुस्तकों का दुर्लभ संग्रह इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र के संदर्भ पुस्तकालय में उपहार स्वरूप भेंट किया। उनके संग्रह में संस्कृत, पाली, प्राकृत और हिंदी रचनाओं के दुर्लभ संस्करण और आधुनिक भारतीय भाषाओं में रचनात्मक और महत्वपूर्ण लेखन का एक विशाल संग्रह शामिल है। धर्म और दर्शन पर भी बड़ी संख्या में पुस्तकें हैं।

व्याख्यान देने वाले पूर्व वक्ता

आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी स्मारक व्याख्यान के अन्तर्गत प्रो. विद्या निवास मिश्र, प्रो. नामवर सिंह, प्रो. निर्मला जैन, प्रो. विश्वानाथ प्रसाद तिवारी, प्रो. इन्द्र नाथ चौधरी, प्रो. नर्मदा प्रसाद उपाध्याय एवं प्रो. देवेन्द्र चौबे आदि अब तक के प्रमुख वक्ता हैं।

श्री के॰ एन॰ गोविन्दाचार्य

श्री के॰ एन॰ गोविन्दाचार्य संघ प्रचारक, सामाजिक कार्यकर्ता तथा आर्थिक विचारक हैं।
छात्र जीवन में ही वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े। 1965 से 1976 तक बिहार में संघ प्रचारक के रूप में सामाजिक कार्यों में क्रियाशील रहे। इसी दौरान उन्होने जेपी आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका भी निभाई। 1991 से 2000 तक भा. ज. पा. के महासचिव रह चुके हैं। उन्होंने 2004 में भारत विकास संगम की स्थापना की। इसी वर्ष राष्ट्रीय स्वाभिमान आंदोलन की शुरुआत की। इसके तहत पिछले 15 वर्षों में समाज-परिवर्तन के लिए दर्जनों आंदोलन किये। आधुनिक भारतीय राजनीति और समाज में श्री गोविंदाचार्य ने एक लोक संबद्ध समाजसेवी, राजनीतिकर्मी और चिंतक के रूप में ऐतिहासिक भूमिका निभाई हैं। राजनैतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक चिंतन के ठहराव को गोविंदाचार्य के विचार गतिशीलता के लिए प्रेरित करते हैं एवं गतिरोध को तोड़ते हैं। वर्तमान भारतीय समाज को उन्नत करने के लिए उन्होंने नितांत मौलिक चिंतन के द्वारा नए रास्ते सुझाए हैं। **व्यवस्था परिवर्तन की राह, लक्ष्य की ओर एवं पॉलिटिक्स ऑफ इकोनॉमिक्स उनकी** प्रमुख रचनाएँ हैं।